हाई कोर्ट चतुर्थ श्रेणी

कर्मचारी परीक्षा 2026

Class - 5

राजस्थानी भाषा मे

लोकोक्तियाँ & कहावतें

राजस्थान क्लासेज
Download More PDF's
WWW.RAJASTHANCLASSES.IN
आदर्श कुमावत

हाईकोर्ट चतुर्थ श्रेणी

Exam 2026

निशुल्क नोट्स

Whatsapp Group

8107670333

नाम व जिले का नाम लिखकर मेसेज करे

राजस्थान क्लासेज
Download More PDF's
WWW.RAJASTHANCLASSES.IN
आदर्श कुमावत

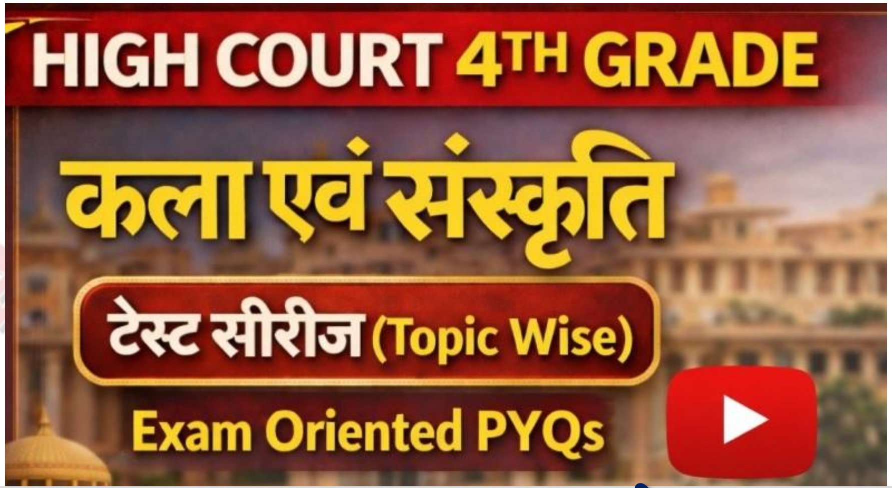

App - rajasthan360

- हिंदी बुक pdf - मात्र 19/- मे

राजस्थान क्लासेज

- सिर भलांई कट ज्यावो, नाक नहीं कटणी चाइजें- मर जाना मंजूर है पर इज्जत बची रहनी चाहिए
- सीधी आंगळयां उ घी कोनी निकले - सीधेपन से काम न हो तो ठोस व्यवहार अपनाना आवश्यक है।
- सूंठ रो गांठियो ले'र पसारी बणग्या - थोड़ी उपलब्धि पर इतराने लग जाना
- खेंरात बटै जठै मगता आपे ही पूग ज्यावे - कोई दाता होता है उसी से कुछ पाने की उम्मीद रहती है।
- खाज पर आंगळी सीदी जाय - आवश्यकता या कमी पर नजर जाना।

- पीळी पड़वा गाजे, दिन बहत्तर बाजे - आषाढ़ की प्रतिपदा पर बादल गरजने से हवा तो चलेगी पर बरसात नहीं होगी।
- बावै सो लूण - जैसा कर्म वैसा फल।
- हतकार की रोटी चौवटै डकार - मुफ्त में उपभोग तथा अहंकार का प्रदर्शन करना।
- होत की भाण, अणहोत को भाई - बहिन धनी को भाई बनाती है जबकि भाई विपत्ति में भी साथ देता है।
- अभागियों टाबर त्यौंहार ने रूठे-मनभागी सुअवसर से लाभ नहीं उठा पाता है।
- हाल तांणी तो बेटी बाप रै तांई है- अभी तक कुछ नहीं बिगड़ा है, अभी भी संभला जा सकता है।

- इब ताणी तो बेटी बाप के ही हैं - अभी कुछ नहीं बिगड़ा हैं।
- इसै परयावां का इसा ही गीत
- ऊतां कै सींग नहीं होते - मूर्खा के सींग नहीं होते हैं।
- ओखली में माथो दे पसे धमकां ऊ कई डरैं -कठिन काम करने की ठान लेने पर कठिनाई से नहीं डरणा
- ऐं बाई नैं घर घणा - योग्य पुरुष की सर्वत्र ही मांग रहती हैं।
- एक हाथ में घोड़ो, एक हाथ में गधो हैं - भलाई-बुराई दोनों मनुष्य के साथ हैं।
- एक घर तो डाकण ही टाळे हैं - सभी से लड़ाई ठीक नहीं होती, बुरे व्यक्ति को भी कहीं तो लिहाज रखना पड़ता हैं।

- रात च्यानणी, बात आँख्यॉं देखी मानणी - आँखों देखी बात पर ही विश्वास होता है!
- ओ ही काळ को पड़बो, ओ ही बाप को मरबो- एक साथ विपतिया आना
- कंगाल छैल गांव नें भारी - गरीब शौकीन गाँव के लिए भार स्वरूप होता है।
- कबूतर नें कुवो ही दीखे - गरीब अपनी रक्षार्थ शरणदाता के पास ही जाता है।
- क्यूँ आंधे न्यूतें, क्यूं दो जिमावे -मुसीबत मौल लेना।
- कमाऊ आवें डरतो, निखट्टू आवें लड़तो - कमाऊ डरता हुआ आता हे और निकम्मा लड़ता हुआ।
- कमेड़ी बाज नें कोनी सीतें - निर्बल सबल को नहीं जीत सकता।

- के बेरो ऊँट के करोट बैठे -क्या पता परिणाम क्या आयेगा।
- कबह कलासै पैंड को पाणी नासै - गृह कलेश के कारण परीडै का पानी भी नष्ट हो जाता है।
- कसो हाक मारया कूवो खुदै है - केवल चिल्लाने से काम नहीं होता।
- कूवै में पड़कर सूको कोई भी नीकळ्ळै ना - संगत का फल तो मिलेगा ही।
- कागला के काघड़ा होना तो उड़ता कै ना दीखता - गुण यदि मनुष्य में हो तो साफ दिखाई देते हैं।
- हीरै सूं हीरो कटै - बड़े से बड़ा ही जीत सकता है।

- किसाक बाजा बजें, किसाक रंग लागे। - भविष्य अनिश्चित है।
- काळा कनें बैठ्या काट लागें - दुर्जन का संग करने से कलंकित होना पड़ता है।
- काम अर लाभ को बैर है - शीघ्रता करने से काम बिगड़ जाता है।
- काणती भेड़ को रयाड़ो ही न्यारो -विशिष्ट पुरुषों में स्थान न मिलने के कारण निकृष्ट व्यक्ति अपना संगठन अलग कर लेते हैं।
- खर घूघू मूरख नर सदा सुखी प्रिथिराज - गधा, उल्लू और मूर्ख मनुष्य सदा सुखी रहते हैं, क्योंकि उनको किसी प्रकार भी चिन्ता नहीं सताती।
- रोयां राबड़ी कुण घालें - परिश्रम करने से ही कुछ मिलता है।
- खैरात मे ऊँट ढूँढ़े - चीज खोने पर संभव असंभव का ज्ञान नहीं होना।

- सौ-सौ ऊंदरा खाय मिन्नी हज करबा चली- बड़े पाखंडी द्वारा भले बनने का बाहरी दिखावा करना।
- हथेळी मैं सिरस्यूं कोनी ऊगैं - बड़े काम में उचित समय लगता है, जल्दबाजी में बड़े काम को नहीं निपटाया जा सकता।
- हळद लागैं नैं फिटकड़ी रंग आवैं चोखो - काम मुफ्त में व अच्छा हो।
- हाथियाँ सूं हळ कोनी बाहीजैं - बड़े व्यक्तियों से मामूली कार्य नहीं करवाये जा सकते।
- हाथी रैं खावण रा दांत ओर, दिखावण रा ओर - जो बाहर से भला दिखाई दे पर मन में खोट हो।

राजस्थान क्लासेज
Download More PDF's
WWW.RAJASTHANCLASSES.IN
आदर्श कमावत

हाईकोर्ट चतुर्थ श्रेणी

Exam 2026

निशुल्क नोट्स

Whatsapp Group

8107670333

नाम व जिले का नाम लिखकर मेसेज करे

राजस्थान क्लासेज
Download More PDF's
WWW.RAJASTHANCLASSES.IN
आदर्श कुमावत

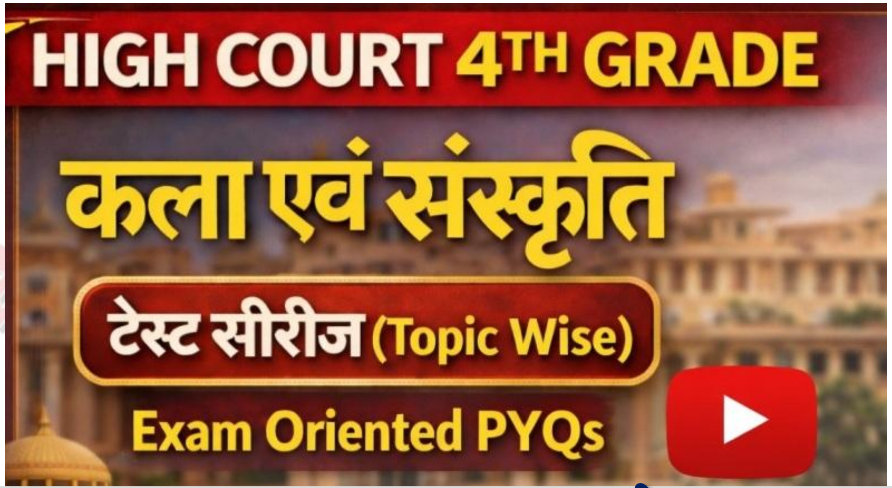

App - rajasthan360

- हिंदी बुक pdf - मात्र 19/- मे

राजस्थान क्लासेज

राजस्थान क्लासेज Download More PDF's WWW.RAJASTHANCLASSES.IN आदर्श कुमावत

RAJASTHAN CLASSES

11 339 subscribers

सभी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी हेतु हमारे साथ जुड़े रहे, डेली सुबह 9 एवं शाम 9 बजे लाइव क्लासेज होती है, Website link - https://rajasthanclasses.in/

VIEW IN TELEGRAM

OPEN IN WEB